

अब चक्रव्यूह के दूसरे चरण को काटकर साबित करने की बारी मेरी थी चित्र गिरी सांस अपने सीने के भीतर भरते हुए फिर युग से बोल पड़ती है वैसे तो मेरे मन में उसे वक्त कई सारे सवाल चल रहे थे पर बार बार जो सवाल मेरे मन में आ रहा था वह यह था कि आखिर अनुरागिनी यक्षिणी के साथ क्या बिसाहार किया था और क्यों मेरी तो यही बात समझ में नहीं आ रही थी कि उसको यक्षिणी के साथ विवाह करने की जरूरत क्यों पड़ी और दूसरा सवाल जो बार बार मेरे मन में आ रहा था वह यह था कि आखिर जीने को क्यों श्राप दिया था वह राजा जिंदगी जीने के लिए क्यों मजबूर कर दिया था मेरी इन दोनों सवालों के जवाब अपनी राशि चक्रव्यूह के बारे में बता रहा था तो बातों ही बातों में उसने मुझे यह भी बता दिया था कि यक्षिणी यही है और इस बात को सुनकर मैं समझ गई थी कि अनुराग ने यक्षिणी को यहीं ग्रेवार्ड कोठी में ही कहीं पर कैद करके रखा हुआ है चित्र की बातें सुनकर युग्मन में सोचने लग जाता है मन सिर्फ आप ही नहीं बल्कि मैं भी यही जानना चाहता था कि आखिर पापा ने यक्षिणी के साथ क्या विचार किया था और यामिनी भी अपने बाबा की शाम को लेकर परेशानी पर मुझे यह नहीं पता था कि उसके पापा को जिसने श्राप दिया था वह कोई और नहीं बल्कि उसकी मुझे पता था मुझे बस कर चुकी थी मुझे ऐसा लग रहा था जैसे शायद कोई जगह छूट गई है और मैं सोच लिया गौर से देखने के लिए मुझे वक्त चाहिए था और मेरे पास वक्त बहुत कम था क्योंकि अनुराग अगले दिन ही युग को होस्टल छोड़कर वापस आने वाला था मेरे पास बस एक दिन और रात तक का वक्त था मैं अकेली पूरी ग्रेवार्ड कोठी में यक्षिणी की तलाश नहीं कर सकती थी मुझे एक साथी की जरूरत थी और अगर गांव में कोई था जिससे मैं मदद मांग सकती थी तो वह कोई और नहीं बल्कि परेशान था एक प्रशांति था जिसे अनुराग की सारी सच्चाई पता थी उसे पता था कि अनुराग भक्ति और अनुराग की जाती मैं प्रशांत को फोन करके बुला लिया था पर उसे दूसरे गांव जाना था बस स्टैंड सब कुछ बता दिया उससे कुछ नहीं छुपाया मैंने उसे यह भी बता दिया कि मैं एक डायन और पिशाच की बेटी हूं और मैं खुद एक डायन हूं मुझे तो लगा था कि प्रशांत यह सच्चाई जानकर बहुत डर जाएगा और कहीं वह मुझे भी बुरा ना समझने लग जाए पर ऐसा कुछ हुआ ही नहीं बल्कि वह तो मुझे इस तरह बातें कर रहा था जैसे पहले करता था शायद वह जानता था कि मैं बुरी नहीं बल्कि अच्छी टाइम लग जाता है मुझे अच्छे से याद है उसे कहानी में भी यही लिखा हुआ था कि पापा की बेंगलुरु जाते हैं प्रशांत अंकल को फोन करके बुलाया था और वह दोनों रात में कूपया मुझे नहीं पता था चल जाएगा शुरू कर दिया था पर सुबह से शाम हो गई और शाम से रात को कहां सुबह होने तक हम दोनों बस यक्षिणी को तलाशी करते रहे उसे आवाज में लगाते गए पर बदले में नजाक का कोई जवाब आया ना हमेशा नहीं कहीं मिले हमें एक भी ऐसा सुराग नहीं मिला था जिससे हम यक्षिणी के पास पहुंच सकते थे यक्षिणी के न मिलने से अनुराग के खिलाफ जो मैं चक्रव्यूह रचना की सोच रही थी वह अधूरा रह गया था उसका दूसरा चरण ही पूरा नहीं हो पाया जाता है उसका चेहरा उतर जाता है चित्र को देखकर समझ जाता है की चित्र उसे दिन मिली हुई हर को आज तक नहीं भूल पाई थी उसे आज तक अपने बनाए भोजपुरी ग्रेवार्ड कोठी चांदमारी है प्रभु यक्षिणी मुझे कहीं नहीं मिला मुझे तो लगता है जी बोलत में लेखक बाबू ने यक्षिणी को कैद किया था वह बॉर्डर लेखक बाबू अपने साथ ही लेकर गए हैं चित्र पलट कर कहती है नहीं प्रशांत अनुराग अपने साथ कुछ लेकर नहीं गया है जाते वक्त उसके हाथ खाली थे मैंने खुद अपनी आंखों से देखा है मेरा मन कहता है यक्षिणी यहीं पर कैसे का अंत कैसे होगा अब आप बताइए मुझे क्या करना है आपका जवाब प्रशांत चित्र को एक तक देखते हुए उससे पृच्छता है और आप भाभी जी चित्र अपनी नजर चारों तरफ घूमते हुए कहती है मेरा क्या प्रशांत मुझे तो यहीं पर रहना पड़ेगा ना इस ग्रेवार्ड कोठी में अब यही तो मेरा घर है प्रशांत नाम है अपना सिर हिलाते हुए कहता है नहीं भाभी जी यह ग्रेवार्ड कोठी आपका घर नहीं है ना ही कभी था यहां पर रखा ही क्या है कुछ भी तो नहीं है लेखक बाबू जिसे आप प्यार करती थी उनके अंदर भी उसे भगाने का अंश हो चुका है वह भी पूरी तरह बदल चुके हैं और रही बातें पर कभी नहीं आएगा प्रशांत कहता है आपको क्या लगता है चित्र भाभी की जब लेखक बाबू आएंगे और आप उनसे कहेंगे कि मुझे यक्षिणी से मिलना है तो वह आपको हंसते हंसते यक्षिणी से मिलवा देंगे बिल्कुल नहीं भाभी जी ऐसा बिल्कुल नहीं होने वाला है भूलिए मत वह लेखक बाबू नहीं भाग जाना है चित्र खामोशी खड़ी रहती है प्रशांत चित्र को अच्छे से सब कुछ समझते हुए कहता है मिलता नहीं होता तो उसे रात बिसाहार करते वक्त मिला दिया होता उसे वक्त मन नहीं क्या होता मुझे लगता है जिसमें आप फिर से पृच्छ रही है तो आपकी ग्रेविटी जरूर छोड़ने का सोचें यहां से नहीं जा रही है उन्होंने आपको यक्षिणी से मिलने का मुंह दिया है और आप इस मुंह में फंस चुकी है चित्र परेशान होते हुए कहती है पर भाषण और मुझे यहां पर क्यों रोकता जाएगा प्रशांत जवाब देता है आपकी शक्तियों के लिए भाभी जी आपको पता है ना उसे भक्ति चैनल का क्या मकसद है संपूर्ण ब्रह्मांड पर राज करना जिसके लिए उसे ताकतवर बनना है और ताकतवर बनने के लिए शक्तियां चाहिए और आपके अंदर भी तो एक पिशाच और डायन की शक्ति है पर वह जागृत थोड़ी है प्रशांत कहता है अभी जागृत नहीं है भाभी जी हो सकती है मुझे तो लगता है इसी वजह से वह भाग जाने पर आपको यहां पर रुकना चाहता है आपकी शक्तियां पाना चाहते हैं और आपको भी अपनी तरह बनना चाहता है एकदम चक्रव्यूह में मत फूसियां भाभी जी छोड़ दीजिए यह ग्रेवार्ड कोठी चले जाइए इस गांव से तू चित्र पलट कर कहती है मैं यह कोठी गांव छोड़कर कहां जाऊंगी प्रशांत तुम ही बताओ प्रशांत झट से कहता है मुझे नहीं पता भाभी जी पर यहां से जितना दूर आप जा सकती है चले जाइए और फिर कभी लौट कर बताइएगा अब यह गांव गांव नहीं भागने का गढ़ है पर मेरे बेटे युग का क्या प्रशांत प्रशांत कहता है भाभी जी वह हीरा देखकर आप पहले से सुरक्षित कर चुकी है उसे भाग जाने से दोबारा हो जाती है उसका पूरा चेहरा उतर जाता है परेशान यहां पर जो भी हुआ सब भूल जाइए और एक नई जिंदगी की शुरुआत कीजिए चित्र के साथ रहती है ऐसे कैसे नई शुरुआत कर लूं मैं प्रशांत अनुराग और यू ही तो मेरी दुनिया थे प्रशांत पलट कर कहता है मानव वह दोनों आपकी दुनिया से भाभी जी पर जरा सोचिए उन्हें अपनी दुनिया बनाने वाली भी तो आप ही थी ना क्या लेखक बाबू और योगी आने से पहले आपकी कोई दुनिया नहीं थी प्रशांत के सवाल नहीं चित्र को गहरी सोच में डाल दिया था एक दुनिया हमारे अपनों से होती है पर ऐसा होता नहीं है हमारी दुनिया की बात होती है पर आपको पता है मरने से पहले ही जीते जी हम कई बार अपनी नई दुनिया बना सकते हैं जिंदगी में कभी कभी हम इतना हार जाते हैं कि सब कुछ खत्म सब कुछ खत्म होता नहीं है बल्कि वह तो मौका होता है फिर से सब कुछ शुरू से शुरू करने का जिंदगी की एक नई शुरुआत करने का यह जिंदगी हमें कई मौके देती है एक नई जिंदगी की शुरुआत करने की और इस जिंदगी में एक नई जिंदगी की शुरुआत करने का मौका आपको दिया है चित्र बड़ी ही गौर से प्रशांत की सारी बातें सुनते रहती है उसे प्रशांत की बातों में एक उम्मीद की किरण नजर आ रही थी वह मेरी जिंदगी की एक नई शुरुआत कर रही थी परेशानी को अपने हाथ से मत जाने दीजिए भाभी जी हो सकता है दोबारा आपका शादी है पर अब बात करने की बारी आपकी है और यह मैं एक देवर होने के नाते नहीं एक दोस्त होने के नाइट बोल रहा हूं अगर आप सच में मुझे अपना दोस्त मानती है तो चले जाइए यहां से छोड़ दीजिए यह गांव और सब कुछ भूलकर एक नई जिंदगी की शुरुआत कीजिए प्रशांत चित्र के सामने कैसी बात बोली थी कि वह चाहते हुए भी प्रशांत को ना नहीं बोल पाती है और हां मैं अपना सिर हिला देती है अपना सारा सामान पैक कर लेती है और प्रशांत चित्र अपना अपना सामान लेकर ग्रेवार्ड कोठी से बाहर जाने लग जाते हैं बाहर जाते ही आंसू की बूंद में फिर से हलचल होने लग जाती है और कुछ देर बाद चित्र का चेहरा देखने लग जाता है जैसे योग्य बात चित्र के मुंह से सुनता है वह कुछ परेशान होने लग जाता है क्यों है रानी के साथ मनी

मन सोचने लग जाता है ऐसा कैसे हो सकता है अगर प्रशांत अंकल अपनी फूफा के गांव जाने के लिए बस में बैठ गए थे तो फिर यक्षिणी ने कब उनका शिकार कर दिया और जितना मुझे पता है वह तो अपनी फूफा के गांव भी नहीं पहुंचे थे एक और बात मेरी समझ नहीं आ रही अगर मां सब कुछ भूल कर एक नई जिंदगी की शुरुआत करने वाली थी तो फिर वह डायन कब और कैसे बन गई